



- » जबलपुर में 10 हजार से अधिक प्रतिमाओं का इको-फ़ेडली विसर्जन, जल स्रोत रहे एकदम साफ
- » महापौर और निगमायुक्त के मार्गदर्शन में नगर निगम की तत्परता, गणेश विसर्जन के बाद भी तालाब और घाट चमक आए
- » सफाई मित्रों की तत्परता से 10,384 मूर्तियों के विसर्जन के बाद भी जबलपुर के जल स्रोतों में में बरकरार है स्वच्छता
- » भटौली से महाराजपुर तक दुरुस्त रही व्यवस्थाएं
- » जबलपुर नगर निगम ने गणेश उत्सव समापन पर पेश की नज़ीर
- » आस्था का सम्मान, कुंडों और तालाबों का संरक्षण, जबलपुर में 581 बड़ी और 9,803 छोटी गणेश प्रतिमाएं बिना प्रदूषण के हुई विसर्जित
- » नगर में आस्था और स्वच्छता की अनूठी मिसाल, 10 हजार से अधिक गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद भी स्वच्छ है जल स्रोत

जबलपुर। गणेश उत्सव के पावन पर्व के समापन पर जबलपुर नगर निगम ने आस्था और पर्यावरण संरक्षण का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। नगर निगम की मुस्तैद व्यवस्थाओं और सफाई मित्रों की दिन-रात की मेहनत के बल पर शहर के सभी प्रमुख विसर्जन स्थल पूरी तरह स्वच्छ और सुरक्षित बने हुए हैं। गणेश उत्सव के दौरान अब तक छोटी और बड़ी मिलाकर कुल 10,384 प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया है। इनमें 581 बड़ी प्रतिमाएं और 9,803 छोटी प्रतिमाएं शामिल हैं। इन सभी प्रतिमाओं को नगर निगम द्वारा निर्धारित किए गए प्रमुख विसर्जन

स्थलों भटौली, तिलवारा, हनुमानताल, अधारताल, मानेगांव, बिलपुरा एवं महाराजपुर तालाब में पूर्ण विधि-विधान और सुरक्षा के साथ विसर्जित कराया गया। आमतौर पर विसर्जन के बाद जलाशयों में फैलने वाले कचरे और मलबे की चुनौती से निपटने के लिए नगर निगम ने अभूतपूर्व तत्परता दिखाई। विसर्जन प्रक्रिया के साथ-साथ सफाई मित्रों की टीम ने तुरंत अवशेषों को हटाकर सफाई अभियान चलाया। इसी का परिणाम है कि हजारों मूर्तियों के विसर्जन के बाद भी शहर के तालाब और कुंड पूरी तरह स्वच्छ और निर्मल नजर आ रहे हैं।

यह पूरी व्यवस्था महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में संचालित की गई। नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी विसर्जन स्थलों पर निरंतर मौजूद रहकर पल-पल की व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। प्रशासनिक निगरानी और कर्मचारियों की कर्मठता के कारण श्रद्धालुओं को भी विसर्जन के दौरान किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। जबलपुर नगर निगम की इस पहल और सफाई व्यवस्था की नागरिकों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है।

अलमारी का हैडल बनाने के बहाने जेवर ले उड़े दो संदिग्ध

जबलपुर। मदनमहल थाना क्षेत्र के स्नेह नगर में अलमारी का हैडल बनाने के बहाने दो व्यक्ति घर में घुसे और लॉकर से लाखों के जेवरात लेकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार 52 वर्षीय मीनाक्षी नायडू ने शिकायत दर्ज कराई कि 26 सितंबर की दोपहर दो व्यक्ति चाबी बनाने की आवाज लगाते हुए उनके घर पहुंचे। उन्होंने गोदरेज अलमारी का हैडल टूटने की बात बताई, जिसके बाद दोनों अंदर आकर हैडल बनाने लगे। इसी दौरान महिला किचन में गैस बंद करने गई। वापस लौटने पर दोनों ने बताया कि अलमारी में लगाई चाबी टूट गई है और बाजार से सामान लेकर ठीक करने की बात कहकर चले गए। संदेह होने पर महिला ने लॉकर देखा तो उसमें रखी सोने की एक चेन, दो अंगुठियां, चार जोड़ी कान के टॉप्स, चांदी की पांच जोड़ी पायल और चार जोड़ी बिछिया गायब मिलीं। दोनों संदिग्ध काली पाड़ी पहने थे। एक ने पीली टी-शर्ट व मटमैले रंग की पैंट तथा दूसरे ने क्रीम रंग की शर्ट और हल्का नीला पायजामा पहन रखा था। पुलिस ने धारा 331(3) और 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

अस्पताल के बाहर युवक का 45 हजार का मोबाइल झपटा

जबलपुर। लॉर्डगंज थाना क्षेत्र में अस्पताल के बाहर स्कूटर सवार तीन बदमाश युवक से करीब 45 हजार रुपये कीमत का मोबाइल झपटकर फरार हो गए। बीजासन मंदिर के पास सुहागी निवासी 26 वर्षीय प्रदीप पटेल ने पुलिस को बताया कि 25 सितंबर की सुबह करीब 4 बजे वह रिस्तेदार की देखभाल के लिए चिरायु अस्पताल में था। अस्पताल के बाहर चाय पीने के दौरान उसने घर फोन करने के लिए मोबाइल हाथ में निकाला। तभी स्कूटर पर सवार तीन व्यक्ति आए और उनमें से एक ने झपट्टा मारकर उसके हाथ से वनक्लस कंपनी का मोबाइल छीन लिया। तीनों तेजी से फरार हो गए। पुलिस ने धारा 304(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एपीके फाइल भेजकर खाते से 38,700 रुपये उड़ाए

जबलपुर। बेलगाव थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। ब्यौराबाग निवासी 48 वर्षीय शैलेश सिंह ठाकुर ने शिकायत दर्ज कराई कि 17 सितंबर को उसके साथी परमजीत सिंह खन्नुजा ने डॉक्टर अजय सेठ के यहां नंबर लगाने के लिए एक मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया था। संपर्क करने पर सामने वाले व्यक्ति ने व्हाट्सएप पर लिंक भेजकर 10 रुपये भेजने की बात कही। इसके बाद आरोपी ने एपीके फाइल भेजी। शिकायतकर्ता ने 10 रुपये भेजने का प्रयास किया, लेकिन ट्रांजेक्शन नहीं हुआ। बाद में उसे संदेह होने पर उसने फोन काट दिया। इसके बावजूद 20 सितंबर की शाम 6:45 से 6:48 बजे के बीच उसके बैंक खाते से अलग-अलग किस्तों में कुल 38,700 रुपये ट्रांसफर हो गए। पुलिस ने अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ धारा 318(4), 319(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार की टक्कर से एक्सिस सवार दो घायल

जबलपुर। संजीवनीनगर थाना क्षेत्र में कार की टक्कर से एक्सिस सवार दो लोग घायल हो गए। गौर सालीवाड़ा निवासी आकाश गौड़ (26) ने शिकायत दर्ज कराई कि 26 सितंबर को उसके बड़े भाई राकेश गौड़ अपने हेलपर मोतीलाल यादव के साथ एक्सिस क्रमांक एमपी 20 एसएक्स 9445 से काम पर गए थे। दोपहर करीब 3:20 बजे दोनों नब्बे वॉटर से गुली आ चौक की ओर जा रहे थे। सब्जी मंडी के पास कार क्रमांक एमपी 20 सीएल 0588 के चालक ने पीछे से एक्सिस को टक्कर मार दी। हादसे में राकेश और मोतीलाल सड़क पर गिर गए और दोनों के हाथ-पैर व चेहरे में घोटें आईं। घायलों को उपचार के लिए लाइफ मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने धारा 281, 125(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मई 2025 से सितंबर 2026 तक प्रश्नपत्र से टाइम टेबल तक उठे विवाद

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था एक बार फिर विद्यार्थियों की शिकायतों के कारण सवालों के घेरे में है। ताजा मामला एमए इंग्लिश चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा से जुड़ा है, जहां लगातार दूसरे प्रश्नपत्र में भी विद्यार्थियों ने पाठ्यक्रम से संबंधित गड़बड़ी का आरोप लगाया है। इससे प्रश्नपत्र तैयार करने, उसकी जांच, मॉडरेशन और परीक्षा से पहले अंतिम सत्यापन की प्रक्रिया पर सवाल खड़े हुए हैं। हालांकि



विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभी मामले की जांच और परीक्षा नियंत्रक से रिपोर्ट लेने की बात कही है। ऐसे में ताजा शिकायत की वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। लेकिन मई 2025 से सितंबर 2026 के बीच सामने आए विभिन्न मामलों को देखें तो प्रश्नपत्र, टाइम टेबल, परीक्षा कार्यक्रम और परीक्षा संचालन से जुड़ी शिकायतें अलग-अलग मौकों पर सामने आती रही हैं।

एमए इंग्लिश में लगातार दूसरे पेपर पर आपत्ति

शनिवार सुबह 11 बजे एमए इंग्लिश चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा शुरू हुई। प्रश्नपत्र मिलने के बाद विद्यार्थियों ने इंग्लिश लैंग्वेज के द्वितीय प्रश्नपत्र में तृतीय सेमेस्टर से संबंधित प्रश्न पूछे जाने का आरोप लगाया। विद्यार्थियों का कहना था कि यह पहली बार नहीं है। इससे पहले 24 सितंबर को हुए प्रथम प्रश्नपत्र को लेकर भी इसी तरह की आपत्ति सामने आई थी। उस समय विद्यार्थियों से लिखित आवेदन लिए गए और उन्हें परीक्षा दिवस बिना वापस जाने दिया गया था। एमए इंग्लिश चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा के लिए एनईएस कॉलेज को भी केंद्र बनाया गया था। यहां करीब 50 विद्यार्थी परीक्षा देने पहुंचे थे। प्रश्नपत्र को लेकर आपत्ति के बाद विद्यार्थियों ने परीक्षा देने से इनकार किया और विश्वविद्यालय के नाम लिखित आवेदन सौंपा।

डेढ़ साल में परीक्षा व्यवस्था से जुड़े कई विवाद

ताजा मामला ऐसे समय सामने आया है जब पिछले करीब डेढ़ वर्ष में आरडीयू की परीक्षा प्रणाली के अलग-अलग स्तरों को लेकर कई शिकायतें सामने आ चुकी हैं। इनमें आउट ऑफ सिलेबस प्रश्नपत्र, प्रश्नों की तथ्यात्मकता पर विवाद, प्रश्न निरस्त होना, परीक्षा निरस्त होना और टाइम टेबल में तकनीकी त्रुटियां शामिल हैं। इन सभी मामलों में परिस्थितियां अलग-अलग रही हैं। इसलिए प्रत्येक मामले की प्रकृति और जिम्मेदारी अलग से जांच का विषय है। फिर भी इन घटनाओं ने परीक्षा प्रक्रिया में प्रश्नपत्र की तैयारी से लेकर सत्यापन और परीक्षा संचालन तक की व्यवस्था पर गंवां जरूर बढ़ाई है।

मई 2025: आउट ऑफ सिलेबस का आरोप

7 मई 2025 को बीए सेकंड ईयर हिस्ट्री मेजर की परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों ने पूरे प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम से बाहर होने की शिकायत की थी। इस शिकायत ने प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा से पहले उसके सिलेबस से मिलान की प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े किए।

मई 2025: मकबरा सवाल पर विवाद

बीएससी सेकंड ईयर की परीक्षा में पूछे गए 'रानी दुर्गावती का मकबरा कहाँ स्थित है?' सवाल को लेकर भी आपत्ति सामने आई थी। विद्यार्थियों और इतिहास से जुड़े लोगों ने प्रश्न की शब्दावली तथा उसके तथ्यात्मक आधार पर सवाल उठाए थे।

जुलाई 2025: डीईटी में प्रश्न निरस्त

24 जुलाई 2025 को पीएचडी डीईटी 2024-25 माइक्रोबायोलॉजी प्रवेश परीक्षा के प्रश्नों को लेकर विवाद सामने आया। प्रकाशित रिपोर्टों के मुताबिक विद्यार्थियों की आपत्तियों के बाद 20 प्रश्न निरस्त किए गए और परिणाम शेष 80 प्रश्नों के आधार पर संशोधित किया गया। मामला न्यायिक स्तर तक भी पहुंचा था।

2025: टाइम टेबल में दर्ज हो गई 2029

परीक्षा व्यवस्था में एक अलग तरह की तकनीकी त्रुटि बीएड के टाइम टेबल में सामने आई। जारी कार्यक्रम में एक पेपर की तारीख 2029 दर्ज हो गई, जबकि परीक्षा वर्ष 2025 था। शिकायत के बाद विश्वविद्यालय ने संशोधित टाइम टेबल जारी किया था।

अगस्त 2026: अधिकांश सवालों पर शिकायत

23 अगस्त 2026 को बिजनेस इकोनॉमिक्स और ऑब्जर्वेशनल बिहेवियर के प्रश्नपत्रों को लेकर भी विद्यार्थियों की शिकायत सामने आई। प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार विद्यार्थियों ने प्रश्नपत्र के अधिकांश सवाल पाठ्यक्रम से बाहर होने का आरोप लगाया था।

सितंबर 2026: एलएलबी परीक्षा पर विवाद

सितंबर में एलएलबी चतुर्थ सेमेस्टर की हिंदी परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों ने पूरे प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम से बाहर होने का आरोप लगाया। इसके बाद विश्वविद्यालय की ओर से संबंधित परीक्षा के लिए कार्रवाई करते हुए संशोधित परीक्षा कार्यक्रम जारी किया गया।

सितंबर 2026: एमएससी की परीक्षा निरस्त

इसी महीने एमएससी फिजिक्स चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा को प्रश्नपत्र से संबंधित गड़बड़ी के कारण निरस्त किए जाने की जानकारी सामने आई। विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर 17 सितंबर को इस परीक्षा की संशोधित समय-सारिणी भी जारी की गई।

सितंबर 2026: एमए इंग्लिश पर लगातार शिकायत

अब एमए इंग्लिश चतुर्थ सेमेस्टर के प्रथम और द्वितीय प्रश्नपत्र को लेकर लगातार शिकायत सामने आई है। विद्यार्थियों का आरोप है कि दोनों प्रश्नपत्रों में तृतीय सेमेस्टर से संबंधित प्रश्न पूछे गए।

सवाल सिर्फ प्रश्नपत्र का नहीं

लगातार सामने आ रही शिकायतों के बाद मामला केवल प्रश्नपत्र में हुई कथित गलती तक सीमित नहीं रह जाता। प्रश्नपत्र तैयार होने के बाद उसकी विषयवस्तु, सेमेस्टर और पाठ्यक्रम से संबंधित कई स्तरों पर जांच की अपेक्षा होती है। इसके बाद मॉडरेशन, अनुमोदन, प्रिंटिंग, पैकिंग और परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने की प्रक्रिया आती है। ऐसे में अहम सवाल यह है कि परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र का सिलेबस, सेमेस्टर और विषय से मिलान किस स्तर पर और कितनी बार किया जाता है? यदि एक ही परीक्षा में लगातार दो प्रश्नपत्रों को लेकर समान प्रकृति की शिकायत सामने आती है, तो पूरी प्रक्रिया की समीक्षा की आवश्यकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

गलती का खामियाजा विद्यार्थियों को

परीक्षा संबंधी किसी भी त्रुटि का सीधा असर विद्यार्थियों पर पड़ता है। विद्यार्थी निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर तैयारी करते हैं, परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में समय और पैसा खर्च करते हैं। परीक्षा के दिन प्रश्नपत्र में समस्या सामने आने या परीक्षा निरस्त होने की स्थिति में उन्हें दोबारा तैयारी करनी पड़ सकती है। इसका असर परीक्षा परिणाम, आगे की पढ़ाई, प्रवेश प्रक्रिया और अन्य शैक्षणिक समयसीमाओं पर पड़ने की आशंका रहती है।

परीक्षा नियंत्रक की भूमिका पर भी उठे सवाल

लगातार सामने आ रहे मामलों के बीच परीक्षा संचालन की निगरानी और जिम्मेदारी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। विद्यार्थियों और संबंधित पक्षों की ओर से यह जानना चाहा जा रहा है कि जब परीक्षा संचालन के लिए निर्धारित व्यवस्था और जिम्मेदार अधिकारी मौजूद हैं, तो प्रश्नपत्र तथा परीक्षा कार्यक्रम से जुड़ी त्रुटियां बार-बार किस स्तर पर सामने आ रही हैं।

अब जांच रिपोर्ट का इंतजार

एमए इंग्लिश के ताजा मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन की जांच और परीक्षा नियंत्रक की रिपोर्ट के बाद वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी। फिलहाल विद्यार्थियों की शिकायतें सामने हैं और विश्वविद्यालय ने जांच की बात कही है। लेकिन मई 2025 से सितंबर 2026 तक सामने आए विभिन्न मामलों को एक साथ देखने पर प्रश्नपत्र तैयार करने, सत्यापन, परीक्षा कार्यक्रम और परीक्षा संचालन की प्रक्रिया तथा जवाबदेही को लेकर सवाल जरूर उभरते हैं।



राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में एमपी ट्रांसको के स्टॉल को द्वितीय पुरस्कार

जबलपुर। 13 वे राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में ऊर्जा विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के स्टॉल को सरकारी क्षेत्र की श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में 22 से 26 सितंबर 2026 तक आयोजित इस विज्ञान मेले में एनटीपीसी, भारत पेट्रोलियम की मध्यप्रदेश इकाई सहित विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने भी भाग लिया। ट्रांसमिशन प्रणाली से संबंधित विविध तकनीकी मॉडलों, आधुनिक संचार एवं निगरानी व्यवस्थाओं तथा जानकारीपरक प्रदर्शनों के कारण एमपी ट्रांसको का स्टॉल मेले के दौरान आगंतुकों और विद्यार्थियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा। स्टॉल पर ट्रांसमिशन लाइनों के मॉडल के साथ गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन (जीआईएस), एयर इंसुलेटेड सबस्टेशन (एआईएस), ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, ओपीजीडब्ल्यू संचार प्रणाली, एसएलडीसी एवं स्काडा डिस्प्ले, रिमोट वीडियो सर्विलांस व्यवस्था, आयसोलेटर के रिमोट संचालन, फॉल्ट

लोकेटर, भूमिगत केबल प्रणाली, पाइल फाउंडेशन, स्केफोल्डिंग तथा आपातकालीन बहाली प्रणाली (ईआरएस) के मॉडल प्रदर्शित किए गए। चालू ट्रांसमिशन लाइन मॉटेनेंस में उपयोग किए जाने वाले हॉट स्ट्ट मॉडल ने भी आगंतुकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। एमपी ट्रांसको के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (प्लानिंग एवं डिजाइन) संदीप गायकवाड के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त मुख्य अभियंता प्रदीप राघव एवं राजेश शांडिल्य के नेतृत्व में एम पी ट्रांसको की टीम ने मात्र 6 घंटे में स्टॉल की तैयारी कर यह उपलब्धि हासिल की। एमपी ट्रांसको की ओर से अतिरिक्त मुख्य अभियंता प्रदीप सिंह राघव एवं राजेश शांडिल्य, अधीक्षण अभियंता सुधीर नेमा, कार्यपालन अभियंता अतुल नाबर, अवधेश चौबे, राजेश्वर सिंह ठाकुर, सहायक अभियंता आशीष जैन ने पुरस्कार प्राप्त किया। एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने स्टॉल को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है।

ग्राम मोहास में बिना स्वीकृति अवैध प्लाटिंग करने वाले पर एफआईआर

जबलपुर। पनागर तहसील के ग्राम मोहास में नगर तथा ग्राम निवेश की अनुमति और ग्राम पंचायत की अनुमति के बिना अवैध रूप से भूखंडों का विभाजन कर बिक्री करने वाले आरोपी के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। कटंगी थाना पुलिस ने पटवारी की लिखित शिकायत और कलेक्टर न्यायालय के जांच आदेश के आधार पर यह वैधानिक कार्रवाई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम मोहास स्थित खसरा नंबर 134/1 (रकबा 0.19 हेक्टेयर) तथा खसरा नंबर 134/2 (रकबा 0.19 हेक्टेयर) भूमि पर अवैध रूप से प्लाटिंग किए जाने के संबंध में हल्का नंबर 70 के पटवारी उमेश कुशवाहा (38 वर्ष) ने तहसीलदार पनागर को प्रतिवेदन सौंपा था। प्रतिवेदन में स्पष्ट किया गया था कि बिना किसी सक्षम स्वीकृति के उक्त जमीन को छोटे-छोटे

टुकड़ों में बांटकर अवैध प्लाटिंग की जा रही है। एसडीएम जबलपुर की जांच के उपरांत प्रकरण कालोनी सेल को प्रेषित किया गया। कलेक्टर एवं सक्षम प्राधिकारी न्यायालय, जिला जबलपुर द्वारा संपूर्ण मामले की जांच के बाद पारित आदेश में पाया गया कि खसरा नंबर 134/1 में से 4 भूखंड और खसरा नंबर 134/2 में से 16 भूखंड (कुल 20 भूखंड, कुल रकबा 0.380 हेक्टेयर) बिना किसी अनुमति के बचे गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर थाना कटंगी में त्रिमुर्तिनगर, दमोहनका निवासी तीरथ प्रसाद (पिता सुंदर लाल) के विरुद्ध म.प्र. राज्य पंचायत अधिनियम की धारा 61 घ(3) के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामले को विवेचना में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

जबलपुर। सड़क दुर्घटना में घायल 23 वर्षीय युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना ग्राम धनपुरी, बरेला क्षेत्र की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गौहलपुर थाना पुलिस के अनुसार मेट्रो अस्पताल से 27 सितंबर को सूचना मिली कि ग्राम बरेला निवासी 23 वर्षीय राजू गुप्ता को 20 सितंबर की रात ग्राम धनपुरी बरेला में सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद उसके भाई रवि कुमार ने उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। राजू का उपचार चल रहा था। रविवार सुबह करीब 5 बजे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और मर्ग कायम किया। घटनास्थल थाना बरेला क्षेत्र का होने के कारण मर्ग डायरी अग्रिम जांच के लिए थाना बरेला स्थानांतरित की जा रही है।

अवैध गैस रिफिलिंग करते संचालक गिरफ्तार, सिलेंडर व रिफिलर जब्त

जबलपुर। सिविल लाइन थाना पुलिस ने डिलाइट मार्केट स्थित अगवाल गैस अप्लायंस में अवैध रूप से एलपीजी गैस रिफिलिंग करते एक व्यक्ति को पकड़ा है। थाना प्रमारी श्रीमती शशि धुर्वे के अनुसार 26 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दुकान में अवैध रूप से गैस भरने का काम किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने दक्षिण दी। पुलिस को देखकर मौके पर मौजूद कुछ लोग भाग गए, जबकि गैस रिफिलिंग कर रहे अखिलेश अगवाल (49), निवासी रॉयल डिलाइट अपार्टमेंट, सिविल लाइन को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से भारत कंपनी के दो खाली घरेलू एलपीजी सिलेंडर, एक अधमरा सिलेंडर, इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा, गैस रिफिलर मशीन और 620 रुपये नकद जब्त किए। पुलिस के मुताबिक रिहायशी क्षेत्र में उजलनशील गैस सिलेंडरों का इस तरह इस्तेमाल मानव जीवन के लिए खतरा पैदा कर सकता था। आरोपी के खिलाफ धारा 3, 7 आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं धारा 287 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक सदन दीक्षित, आरक्षक अजीत यादव, सुनील पारधी और मनीष दुहो की भूमिका रही।

ख़बर संक्षेप



जिले में अब तक 940.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज

कटनी। जिले में 1 जून से 27 सितम्बर तक कुल 940.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विदित हो कि पिछले आलोक्य अवधि के दौरान जिले में 1096.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान रीठी तहसील में रिकार्ड 1441.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्त्रीमनाबाद में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक 1181.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है। कटनी तहसील में 872.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि तहसील रीठी में 1120.9 मिलीमीटर, बड़वारा तहसील में 730.9 मिलीमीटर, बरही तहसील में 760.0 मिलीमीटर और विजयराघवगढ़ तहसील में 1005.9 मिलीमीटर, बहोरीबंद तहसील में कुल 855.8 मिलीमीटर एवं स्त्रीमनाबाद तहसील में 1181.4 मिमी तथा दीमरखेड़ा में 989.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है।

अलग अलग सड़क

हादसे में तीन घायल

कटनी। माधवनगर थाना अंतर्गत विश्राम बाबा के पास तेज रफ्तार वाहन चालक की लापरवाही से ढाई वर्ष की मासूम बच्ची काव्या महोबिया गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इसी क्षेत्र के विश्राम बाबा के पास तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से 45 वर्षीय रामजी केवट निवासी रंगनाथनगर घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। रंगनाथनगर थाना क्षेत्र में आस्था प्लाजा के पास चार पहिया वाहन के चालक ने 68 वर्षीय पुरुषोत्तम दास सोनी को जोरदार टक्कर मार दी।

अंश सोनी का राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में चयन



स्त्रीमनाबाद। तहसील अंतर्गत शासकीय ठाकुर बुद्ध सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेवरी के प्रतिभावान विद्यार्थी अंश सोनी पिता संतोष कुमार सोनी का राज्य स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। अंश सोनी के चयन से विद्यालय परिवार एवं क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।अंश सोनी को इस उपलब्धि के लिए शिक्षा अधिकारी सिच्चंदानंद पांडेय,जिला क्रीडा अधिकारी अनूप डांगीवाला,प्राचार्य राजेश कुमार सोनी,विकासखंड नोडल खेल प्रभारी अमर सिंह पटेल,जिला नोडल खेल प्रभारी प्रमोद डेहरिया,राकेश विश्वकर्मा,रामकुमार पटेल एवं सौरभ सिंह राजपूत ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया।विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार सोनी एवं समस्त स्टॉफ ने भी अंश सोनी तथा खेल प्रभारी महेंद्र सिंह को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। प्राचार्य ने कहा कि विद्यालय से होनहार खिलाड़ी का चयन विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को खेलों के प्रति प्रेरित करेगा।विद्यालय परिवार ने अंश सोनी के उज्ज्वल भविष्य एवं आगामी प्रतियोगिता में सफलता की कामना की।

दिशा बागरी ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया गौरवान्वित

सिलौंडी। सिलौंडी के समीपवर्ती ग्राम पंचायत नेगाई के तिलमन गांव की बेटी दिशा बागरी पिता मनोज बागरी ने आल इंडिया कराटे प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है ।

हल्दी, अदरक, अश्वगंधा, तुलसी और चिया बनीं नई उम्मीद, प्रतिष्ठित कंपनियों ने भी खरीद में दिखाई रुचि

पारंपरिक खेती से नवाचार की ओर बढ़े कदम 450 किसानों ने रचा बदलाव का नया अध्याय

हरिभूमि न्यूज ►► कटनी

खेत वही हैं, किसान वही हैं, लेकिन अब खेती का अंदाज बदल रहा है। जिन खेतों में कभी परंपरागत फसलों की ही उम्मीद बोई जाती थी, वहां अब हल्दी की पीली रंगत, अदरक की खुशबू, अश्वगंधा की जड़ें, तुलसी की हरियाली और चिया के छोटे-छोटे बीज भविष्य की नई संभावनाओं का संदेश दे रहे हैं। दीमरखेड़ा और बड़वारा क्षेत्र के 450 से अधिक आदिवासी किसानों ने करीब सवा सौ एकड़ में पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर प्राकृतिक, औषधीय और मसाला फसलों को अपनाया है। लगातार तीसरे वर्ष आगे बढ़ रही यह पहल अब खेतों में फसल बदलने से कहीं आगे निकलकर किसानों को सोच में बदलाव की कहानी बन गई है।

कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा प्राकृतिक, औषधीय और बागवानी फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि और उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को दिए गए निर्देशों के बाद किसानों को नई फसलों से जोड़ने के गंभीर प्रयास किए



गए। शुरुआत में नई फसल, नई तकनीक और बाजार को लेकर किसानों के मन में कई सवाल थे, लेकिन पर्यावरणविद् निर्भय सिंह के सदुपयासों आदिवासी किसानों के मन से धीरे-धीरे तमाम आशंकाओं को भरोसे में बदल दिया।

एक की सफलता बनी दूसरे की उम्मीद

पर्यावरणविद् एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव श्री निर्भय सिंह बताते हैं कि पिछले वर्ष किसानों को अश्वगंधा के निःशुल्क बीज उपलब्ध कराए गए थे। करीब 25 एकड़ में अश्वगंधा की खेती हुई। तैयार उपज नीमच कृषि उपज मंडी में 25 हजार रुपये में बेची गई और इसका सीधा लाभ उत्पादक किसानों को

मिला। यह अनुभव किसानों के लिए एक तरह से रास्ता दिखाने वाला साबित हुआ। इस वर्ष नई फसलों का रकबा और किसानों की संख्या दोनों बढ़ी है। इस वर्ष 175 किसान हल्दी, 100-100 किसान अश्वगंधा और तुलसी तथा 75 आदिवासी किसान अदरक की खेती कर रहे हैं। वहीं 15 किसानों ने करीब आधा एकड़ में चिया की खेती की है। अनुमान के मुताबिक इन खेतों से करीब 700 से 800 क्विंटल अदरक, 2500 से 3000 क्विंटल हल्दी और लगभग 750 किलोग्राम तुलसी की उपज संभावित है। अश्वगंधा की भी इस वर्ष अच्छी उपज होने की उम्मीद है।

अब फसल खेत से बाजार तक पहुंचाने की तैयारी

नई खेतों के साथ किसानों के सामने उपज के बेहतर बाजार की चुनौती भी रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए एफपीओ संगमबीडी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी बनाई गई है। एफपीओ किसानों की उपज को

बेहतर मूल्य दिलाने के लिए नीमच कृषि उपज मंडी, डाबर इंडिया लिमिटेड और महाराष्ट्र बेस्ड सुधाना मसाला सहित अन्य प्रतिष्ठित कंपनियों और बड़े औद्योगिक संस्थानों से लगातार बातचीत कर रहा है। इन कंपनियों ने जिले में उत्पादित फसलों को खरीदने में रुचि दिखाई है।

आठ गांवों से शुरू हुई राह, अब बड़वारा तक पहुंची

नाबार्ड के टीडीएफ फंड के अंतर्गत नानबाड़ी परियोजना के तहत दीमरखेड़ा विकासखंड के कोठी, हर्ई, सगौना, सिवनी, दैगवां, दियागढ़, उमरपानी और छाहर , भलवारा, मेर, पहरूआ, कटारिया, खंदवारा, बांध, भमका, महागांवां, सर्रां, तिलमन और बिजौरी गांवों के किसान मसाला एवं औषधीय फसलों की खेती से जुड़े हैं।इसके अलावा बड़वारा क्षेत्र के भदौरा, पथवारी, विलायतकलां, पठरा, भादावर, जमुनियां, बिजौरी, भमराड, चादन और चपहनी गांवों में भी किसान इन फसलों की खेती कर रहे हैं।इन गांवों में अश्वगंधा, हल्दी, अदरक और तुलसी की

खेत-तालाबों में सहेजा पानी, पुराने जल स्रोतों में लौटाई जिंदगी, खेती को लाभ

कलेक्टर आशीष तिवारी के मार्गदर्शन में प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की सहभागिता से जल संरक्षण को अभियान से जनआंदोलन का स्वरूप देने के प्रयास किए गए। अभियान के दौरान सबसे अधिक जोर भू-जल संवर्धन और स्थानीय जल उपलब्धता बढ़ाने पर रहा। जिले में 1,415 डगवेल रिचार्ज यानी कूप पुनर्भरण के कार्य किए गए। इन प्रयासों का उद्देश्य बारिश के पानी को जमीन के भीतर पहुंचाकर भू-जल स्तर को मजबूत करना है। किसानों के खेतों में पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 1,352 खेत तालाब बनाए गए। बारिश के दिनों में इनमें सहेजा गया पानी आने वाले समय में सिंचाई के लिए सहारा बन सकता है। इसके साथ ही 239

सिंचाई अधोसंरचना संबंधी कार्य और 311 विशेष जल संरक्षण संरचनाएं तैयार की गईं। यानी बारिश के पानी को केवल आसमान से गिरने वाली बूंद के रूप में नहीं देखा गया, बल्कि उसे खेत, कुएं और गांव के भविष्य से जोड़ने का प्रयास किया गया।

पुराने कुएं और जल स्रोत फिर बने उम्मीद

जल संरक्षण की कहानी केवल नई संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं रही। वर्षों से उपेक्षित जल स्रोतों को भी अभियान में प्राथमिकता दी गई। जिले में 7 अमृत सरोवर तैयार किए गए, जबकि 68 वॉटर स्ट्रक्चर्स को मरम्मत कर उन्हें फिर से उपयोगी बनाया गया। जहां कभी जल स्रोत मौजूद तो

थे, लेकिन उनकी उपयोगिता कम हो गई थी, वहां मरम्मत और पुनर्जीवन के प्रयासों ने पानी से उनका रिश्ता फिर मजबूत किया। जल संरचनाओं के आसपास 142 स्थानों पर गैप फिलिंग प्लांटेशन भी कराया गया। इस तरह पानी बचाने के साथ हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को भी अभियान से जोड़ा गया।

जल संरक्षण का असर केवल जल संरचनाओं तक सीमित नहीं रहा। 284 वाटरशेड संबंधी कार्य पूरे किए गए, जबकि मनरेगा एवं अन्य योजनाओं के समन्वय से 301 अतिरिक्त विकास कार्य भी पूर्ण हुए। इससे जल संरक्षण के साथ ग्रामीणों को रोजगार, सिंचाई सुविधाओं और स्थानीय अधोसंरचना के विकास का लाभ मिला।

दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर अध्ययन केन्द्र में विचार गोष्ठी का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ►► कटनी

शासकीय उत्कृष्ट रीठी अध्ययन केंद्र में पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्ययन केंद्र में प्रत्येक रविवार को संचालित कक्षाओं के क्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ सामूहिक परिचर्चा की गई तथा सीएमसीएलपीडी एप एवं प्रोफाइल अपडेट संबंधी जानकारी के साथ कक्षा का संचालन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माट्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित अतिथियों, विद्यार्थियों एवं अध्ययन केंद्र से जुड़े सदस्यों ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन किया।

पालीटेक्निक महाविद्यालय में प्रतियोगिताओं का आयोजन



सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय पॉलीटेकनिक महाविद्यालय कटनी में ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। चित्रकला प्रतियोगिता में महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं के लगभग 50 विद्यार्थियों ने भाग लेकर ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर अपनी कल्पनाओं और विचारों को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। विद्यार्थियों ने विकसित, स्वच्छ, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध भारत की परिकल्पना को अपनी कलाकृतियों में प्रस्तुत किया। इसी क्रम में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के लगभग 20 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए देश के विकास, युवा शक्ति, शिक्षा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों का उत्साह देखने को मिला।

सामाजिक समरसता और राष्ट्रसेवा के विचारों को आत्मसात करने का विद्यार्थियों ने लिया संकल्प



मुख्य वक्ता जगत सिंह मसराम ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन संघर्ष, सादगी, राष्ट्रसेवा एवं समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान से जुड़े विचारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल का जीवन समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। परामर्शदाता अरुण तिवारी ने एकात्म मनोवादा एवं अंत्योदय के विचारों को वर्तमान सामाजिक परिवेश से

जोड़ते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास और सम्मान के साथ ही समग्र राष्ट्र निर्माण की दिशा मजबूत हो सकती है। परामर्शदाता शरद यादव ने युवाओं की भूमिका पर विचार रखते हुए कहा कि युवा पीढ़ी महापुरुषों के जीवन एवं विचारों से प्रेरणा लेकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए आगे आए। उन्होंने शिक्षा के साथ सामाजिक जागरूकता, सेवा

टीकाकरण एवं जागरूकता शिविर 30 सितंबर को

कटनी। विश्व रेबीज दिवस के उपलक्ष्य में जिले के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा जिला पशु चिकित्सालय कटनी के पॉलीक्लिनिक परिसर में 30 सितंबर को प्रातः 10 बजे से रेबीज प्रतिरोधक टीकाकरण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का उद्देश्य पशुओं एवं आमजन को रेबीज जैसी घातक बीमारी से बचाव के प्रति जागरूक करना है। शिविर में पालतू कुत्तों एवं बिल्लियों सहित अन्य पालतू पशुओं का निःशुल्क रेबीज प्रतिरोधक टीकाकरण किया जाएगा। साथ ही पशुपालकों एवं नागरिकों को रेबीज रोग के कारण, लक्षण, बचाव तथा उपचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. नीता मनोचा एवं सिविल सर्जन जिला पशु चिकित्सालय कटनी डॉ. सुमंत वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में पशुपालकों एवं नागरिकों से सहभागिता की अपील की गई है। विभाग ने नागरिकों से अपने पालतू पशुओं को समय पर रेबीज का टीका लगवाने तथा जागरूकता शिविर में शामिल होकर रेबीज से बचाव के प्रयासों में सहयोग करने का आग्रह किया है।

श्री अन्न उपार्जन में उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला सम्मान

प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से किया गया सम्मानित श्रीअन्न उपार्जन में उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज ►► कटनी

जिले में किसानों को श्रीअन्न की खेती और उसके बेहतर विपणन से जोड़ने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। खरीफ विपणन सत्र 2025-26 में श्रीअन्न कोदो-कुटकी के उपार्जन के सफल क्रियान्वयन तथा ‘गुणवत्ता एवं दस्तावेजीकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मानव जीवन विकास समिति द्वारा प्रमोटेड एफपीओ संगमबीडी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, कटनी को सम्मानित किया गया है। एफपीओ द्वारा श्रीअन्न प्रोत्साहन कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की ‘रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना’ के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर किसानों से कोदो-कुटकी का

उपार्जन किया गया। यह कटनी जिले के इतिहास में पहली बार था, जब किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य के साथ प्रोत्साहन राशि का लाभ देते हुए श्रीअन्न कोदो और कुटकी का शासकीय दर पर उपार्जन किया गया।

योजना के तहत कुटकी 3500 रुपये प्रति क्विंटल और कोदो 2500 रुपये प्रति क्विंटल की दर से तथा पात्र किसानों को 1000 रुपये प्रति

क्विंटल प्रोत्साहन राशि के प्रावधान के अनुसार, निर्धारित एफएक्यू मानकों के अनुरूप कोदो-कुटकी का उपार्जन किया गया। पर्यावरणविद् एवं सचिव मानव जीवन विकास समिति श्री निर्भय सिंह बताते हैं कि एफपीओ द्वारा जिले के 158 किसानों से 1456 क्विंटल कोदो और 6.5 क्विंटल कुटकी की खरीदी की गई।

उपार्जन की पूरी प्रक्रिया में

निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन करने के साथ ही संबंधित दस्तावेजों का व्यवस्थित संधारण, रिकॉर्ड प्रबंधन और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित की गई। उपार्जन प्रक्रिया के बेहतर क्रियान्वयन और में उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए श्रीअन्न प्रोत्साहन कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, मध्यप्रदेश द्वारा एफपीओ संगमबीडी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

यह सम्मान कटनी जिले में श्रीअन्न आधारित कृषि को बढ़ावा देने, किसानों को संगठित बाजार से जोड़ने और कोदो-कुटकी जैसी पारंपरिक फसलों को बेहतर बाजार एवं नई पहचान दिलाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

871 मीट्रिक टन नीम कोटेड यूरिया की दो रैक पहुंची, ई-टोकन से ही वितरण कराने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ►► कटनी

जिले में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से निरंतर संवाद और सार्थक प्रयासों की वजह से खरीफ फसलों के लिए सर्वाधिक मांग वाली नीम कोटेड यूरिया की दो रैक झुकेही रैक प्लांट पर आ गई है। इससे जिले को 871 मीट्रिक टन यूरिया मिलेगी।

जिला विपणन अधिकारी आनंद नारायण पाण्डेय ने बताया कि प्राप्त यूरिया में कटनी डबल लॉक केंद्र को 30 मीट्रिक टन यूरिया व बहोरीबंद डबल लॉक केंद्र को 140 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की गयी है। जबकि स्त्रीमनाबाद डबल लॉक केंद्र को 159 मीट्रिक टन व बरही डबल लॉक केंद्र को 140 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित



की गयी है। वहीं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक कटनी को 270 मीट्रिक टन तथा सीएमएस कटनी व सीएमएस उमरियापान-दीमरखेड़ा को 30-30 मीट्रिक टन यूरिया एवं एमपी एग्रो कटनी को 72 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की गई है। कृषि विभाग ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए संयुक्त मात्रा में ही उर्वरकों का उपयोग करें। आवश्यकता से अधिक खाद का प्रयोग करने से कृषि लागत बढ़ने के साथ-साथ

भूमि की उर्वरक क्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ई-विकास 2.0 के तहत किसानों की सुविधा के लिए मोबाइल वाट्सएप बॉट के माध्यम से टोकन जनरेट करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। किसान वाट्सएप पर “हेल्प” या “मदद” लिखकर टोकन, रिटेलर, उर्वरक, उठाव की तिथि और टोकन की वैधता सहित आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके माध्यम से किसान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उर्वरक का क्रय कर सकेंगे।



आमजन परेशान, खुले में निस्तार की मजबूरी; भवन में दिखने लगीं दरारें

तहसील परिसर में 14 लाख का शौचालय कॉम्प्लेक्स तीन साल से पड़ा अधूरा

हरिभूमि न्यूज►►तैदूखेडा

तहसील कार्यालय परिसर में आमजन की सुविधा के लिए नगर परिषद द्वारा करीब 14 लाख रुपए से अधिक की लागत से शुरू कराया गया शौचालय कॉम्प्लेक्स तीन साल बाद भी अधूरा पड़ा है। वर्ष 2023 में शुरू हुआ निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। बताया जा रहा है कि करीब 50 प्रतिशत काम अभी शेष है। निर्माण अधूरा होने के कारण तहसील कार्यालय में विभिन्न कार्यों से पहुंचने वाले ग्रामीणों, महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य लोगों को शौचालय की सुविधा नहीं मिल पा रही है।

तहसील परिसर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण और फरियादी पहुंचते हैं। शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना

शुभ-अशुभ कर्मों का फल मनुष्य को अवश्य भोगना पड़ता है : कथाव्यास दमोह।

पितृ पक्ष में पितरों के निमित्त श्री देव जटाशंकर मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस कथा व्यास आचार्य पंडित रवि शास्त्री महाराज ने भगवान श्रीहरि की भक्ति के साथ-साथ मनुष्य के कर्मों की महता पर प्रकाश डालते हुए धुंधकारी की कथा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपने जीवन में जो शुभ अथवा अशुभ कर्म करता है, उसी के अनुरूप उसे सुख-दुःख का अनुभव करना पड़ता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को सदैव धर्म, सत्य, सेवा, सदाचार और प्रोपकार के मार्ग पर चलना चाहिए, क्योंकि अशुभ कर्म अंततः दुःख का कारण बनते हैं धुंधकारी की कथा सुनाते हुए बताया कि आत्मदेव नामक ब्राह्मण के पुत्र धुंधकारी ने अपने जीवन में सत्कर्मों और सदाचार का मार्ग छोड़कर दुष्कर्मों को अपना लिया। वह बुरी संगति में पड़ गया और माता-पिता के प्रति भी अनुचित व्यवहार करने लगा। धन, विषय-वासनाओं और गलत संगति में आसक्त होकर उसने अनेक अशुभ कर्म किए। उसके जीवन में धर्म और विवेक का स्थान धीरे-धीरे समाप्त होता गया। यही कारण रहा कि मृत्यु के पश्चात भी उसे शांति प्राप्त नहीं हुई और वह प्रेतयोनि में भटकता रहा।उन्होंने कहा कि धुंधकारी की कथा केवल एक पौराणिक प्रसंग नहीं, बल्कि प्रत्येक मनुष्य के लिए जीवन का महत्वपूर्ण संदेश है। मनुष्य जैसा कर्म करता है, उसी कर्म का परिणाम किसी न किसी रूप में उसे प्राप्त होता है। धन, पद, प्रतिष्ठा और सांसारिक सुख क्षणभंगुर हैं, लेकिन कर्मों का प्रभाव जीवन की दिशा निर्धारित करता है। इसलिए माता-पिता का सम्मान, गुरुजनों की सेवा, जरूरतमंदों की सहायता, सत्य का पालन, भगवान का स्मरण और धर्मानुकूल आचरण ही मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाते हैं। श्रीमद्भागवत केवल कथा सुनने का ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य मार्गदर्शन है। धुंधकारी के जीवन से यह शिक्षा मिलती है कि बुरी संगति और अशुभ कर्म मनुष्य को पतन की ओर ले जाते हैं, जबकि सत्संग, सदाचार और भगवान की भक्ति जीवन में शांति और सद्गति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि अपने कर्मों को शुद्ध रखें, किसी का अहित न करें और जीवन में सदैव धर्म एवं मानवता का पालन करें। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया।

सांसद दिल्ली दर्शन योजना’ से दिल्ली जाएंगे प्रतिभावान छात्र-सांसद

330 विद्यालयों के बच्चे होंगे प्रतियोगिता में शामिल

पटेरा में पर्युषण पर्व पर भक्ति और उत्साह का माहौल

क्षमावाणी पर निकली मव्य शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज►►पटेरा

जैन धर्म के महापर्व पर्युषण पर्व के अवसर पर पटेरा नगर में दस दिनों तक धार्मिक आयोजनों की धूम रही। नगर के सभी जैन मंदिरों में प्रतिदिन उत्साहपूर्वक अभिषेक, पूजन-विधान एवं धार्मिक आराधना की गई। रात्रि में आयोजित प्रवचन कार्यक्रमों में ब्रह्मचारी भैया अमित जी ने धर्म के दस लक्षणों का महत्व बताते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, संयम, त्याग और आत्मशुद्धि का संदेश दिया। बड़ी संख्या में समाजजनों ने प्रवचनों में शामिल होकर धर्म का सार जाना।

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर श्रीजी का विशेष अभिषेक किया गया। इस दौरान मंदिरों में श्रद्धालुओं की विशेष उपस्थिति रही। पर्युषण पर्व के समापन अवसर पर शनिवार को क्षमावाणी पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जैन पंचायत अध्यक्ष एवं समाज के वरिष्ठजनों द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रच्वलन कर किया गया। इस अवसर पर समाज



के प्रमुखजनों ने क्षमावाणी पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व आपसी मनमुटाव और वैमनस्य को समाप्त कर प्रेम, सीाहार्द एवं आत्मीयता बढ़ाने का संदेश देता है। समाजजनों ने अपनी जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए एक-दूसरे से क्षमा मांगी और सभी के प्रति मैत्रीभाव रखने का संकल्प लिया। ब्रह्मचारी भैया मि्त जी एवं पंडित जयकुमार ने भी क्षमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाजजनों से क्षमायाचना की। इस

अवसर पर दोनों का समाज के वरिष्ठजनों द्वारा सम्मान किया गया।

पर्युषण पर्व के दौरान तपस्या करने वाले श्रद्धालुओं का भी सम्मान किया गया। दस उपवास करने वाली ग्रियंका सेठ एवं ऊषा बडकुल का विशेष सम्मान किया गया। इसके साथ ही अन्य उपवास एवं धार्मिक तप करने वाले श्रद्धालुओं को भी सम्मानित किया गया। दस दिनों तक आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले



प्रतिभागियों तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

श्रीजी की मव्य शोभायात्रा निकली

क्षमावाणी पर्व के अवसर पर दोपहर में जैन बड़ा मंदिर से श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। श्रीजी को आकर्षक पालकी में विराजमान कर श्रद्धालुओं ने अपने कंधों पर पालकी उठाई। गाजे-बाजे के साथ निकली शोभायात्रा में बड़ी

गया तो यह असामाजिक तत्वों का अड़्डा बन सकता है। इससे तहसील परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता बनी हुई है।

तहसील परिसर में कार्य करने वाले याचिका लेखकों सहित स्थानीय लोगों ने नगर परिषद एवं जिला प्रशासन से अधूरे शौचालय कॉम्प्लेक्स का निर्माण जल्द पूरा कराने की मांग की है। साथ ही निर्माण कार्य में देरी के कारणों की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गई है।

इनका कहना है

एसडीएम सीजी गोस्वामी ने कहा कि “मेरी संज्ञान में बात आई है। मुझे यह जानकारी नहीं है कि यह शौचालय का निर्माण है। मैं जानकारी लेता हूं कि यह क्यों बंद है और काम क्यों अधूरा है।”

पन्ना पुलिस की कोतवाली थाना अंतर्गत अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

दो आरोपी गिरफ्तार, 2 किलो 120 ग्राम अवैध गांजा एवं मोटर साइकिल सहित कुल 86,000 का मशरूका जप्त

पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निदेश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री तंदना चौहान तथा समस्त एसडीओपी पन्ना के मार्गदर्शन में पन्ना पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की बिंद्री एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही छै इसी क्रम में थाना प्रभारी कोतवाली पन्ना निरीक्षक रोहित कुमार मिश्रा के नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस की अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए अवैध गांजा का परिवहन एवं बिंद्री करने की फिराक में खड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।दिनांक 26.09.2026 की रात्रि थाना कोतवाली पन्ना पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति काले रंग की होंडा शाइन मोटरसाइकिल क्रमांक डर 35 डह 9945 पर एक बोरी में अवैध गांजा छिपाकर पट्टी तिराहा (लक्ष्मीपुर रोड) पर बिंद्री करने की फिराक में खड़े हैं। सूचना की तत्पक्ष एवं वैधानिक कार्यवाही हेतु पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई तथा दोनों संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। नियमानुसार तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 2 किलो 120 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस



एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर अवैध गांजा एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को विधिवत जप्त किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के बताए अनुसार प्रकरण में फरार आरोपी शिवम यादव, निवासी ग्राम कल्याणपुर की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जूडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया, जहां से माननीय न्यायालय द्वारा जेल भेजे जाने की कार्यवाही की गई।

जप्त मशरूका-

- अवैध गांजारू 2 किलो 120 ग्राम कृ अनुमानित कीमत 36,000/-
- मोटरसाइकिलरू काले रंग की होंडा शाइन, अनुमानित कीमत 50,000/-
- कुल जप्त मशरूका-86,000/-

‘गिरफ्तार आरोपियों के नाम-

- दशरथ यादव पिता मंगल सिंह यादव, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम बिलखुरा, थाना कोतवाली पन्ना।
- प्रमोद यादव पिता पान सिंह यादव, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम बिलखुरा, थाना कोतवाली पन्ना।

फरार आरोपी- शिवम यादव, निवासी ग्राम कल्याणपुर।

सराहनीय योगदान -

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रोहित मिश्रा, उर्नि प्रज्ञा प्रोहा, प्रधान आरक्षक वृषकेतु रावत, आरक्षक संदीप तिवारी, राहुल सिंह, अमित द्विवेदी, प्रसंग मिश्रा, जीतेन्द्र पटेल, लक्ष्मीनारायण एवं चालक परमलाल का सराहनीय योगदान रहा।

दमोह आसपास हरिभूमि 9

विधि-विधान से पूर्वजों का तर्पण कर लिया आशीर्वाद, तेज बहाव के बीच घाट पर पहुंचे लोग

पितृपक्ष के प्रथम दिन गोरेया नदी घाट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



तैदूखेड़ा। शनिवार को पूर्णिमा के अवसर पर पितृपक्ष का शुभारंभ हो गया। इसकी अगले दिन रविवार को पितृपक्ष के प्रथम दिन नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने पूर्वजों का तर्पण करने गोरेया नदी के घाट पर पहुंचे। सुबह से ही घाट पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। लोगों ने नदी में स्नान कर अपने पितरों को जल अर्पित किया और विधि-विधान के साथ तर्पण एवं अन्य धार्मिक कर्मकांड संपन्न किए। इस दौरान पंडित भारत प्रसाद अवस्थी द्वारा श्रद्धालुओं को विधि-विधान के साथ पूर्वजों का तर्पण कराया गया। श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्मा की शांति और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पितृपक्ष के दौरान पूर्वजों के निमित्त तर्पण, पिंडदान एवं श्राद्ध करने की धार्मिक परंपरा है। लगातार हुई बारिश के चलते इस वर्ष गोरेया नदी का जलस्तर भी सामान्य दिनों की अपेक्षा काफी बढ़ा हुआ रहा और नदी में पानी का बहाव तेज दिखाई दिया। इसके बावजूद श्रद्धालुओं में अपने पूर्वजों के प्रति आस्था और श्रद्धा का भाव नजर आया। सुबह से दोपहर तक घाट पर लोगों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। आगामी दिनों में भी पितरों के निमित्त तर्पण एवं श्राद्ध कर्म के लिए श्रद्धालुओं के घाट पर पहुंचने की संभावना है।

मंडल घाटी में पूरे दिन लग रहा जाम पुलिस ने की कार्यवाही



पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा मड़ला घाट क्षेत्र में लगातार लगने वाले यातायात जाम को गंभीरता से लेते हुये ट्रॉसपोर्टर, ड्रायवर की गलती से लगने वाले जाम में ट्रॉसपोर्टर वाहन मालिक एवं ड्रायवरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की सख्त चेतावनी दी गयी थी कलेक्टर द्वारा दिनांक- 03.08.2026 को आदेशित किया गया है कि मड़ला घाट मे बार- बार जाम लगने के स्थिति मे भारी वाहन एवं वाहन चालक द्वारा मड़ला घाट मे धारा 163 बीएनएमएस के उल्लघन करने पर वाहन मालिक/ चालक के विरुद्ध कार्यवाही की जाये उक्त निर्देश के पालन मे थाना प्रभारी यातायात श्रीमति नीलम लक्षकार के द्वारा आज दिनांक 26.09.2026 को मड़ला घाट मे एनआरएस कम्पनी का ट्रेलर चेचिस क्रमाक- डटा1७2टम्ब3ज्श्रद्ध6313 का बीच घाटी मे डीजल खत्म हो जाने के कारण बीच रास्ते मे बंद हो गया जिस कारण मड़ला घाट मे जाम लगने से राहगीर को काफी परेशानी का सामना करने पड़ा जिस कारण उक्त ट्रेलर को मय चालक शुभम विश्वकर्मा पिता इन्दु कुमार विश्वकर्मा उम्र-22 साल निवासी ग्राम देवरा थाना अमानगंज जिला पन्ना को थाना यातायात लला गया जिसे थाना मड़ला भेजकर एफआईआर की कार्यवाही की गई है।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर संवाद कर कार्यकर्ताओं का किया सम्मान



हरिभूमि न्यूज►►दमोह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा काल के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आंगन मिलन अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अभियान 27 सितंबर से 27 अक्टूबर तक आंगनबाड़ी केंद्रों पर चलाया जाएगा। इसी क्रम में महिला मोर्चा पदाधिकारियों ने विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर संवाद कर वहां उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया तथा मिष्ठान का वितरण किया।गुरुनानक वार्ड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 21 में दमोह विधायक जयंत मलैया ने पहुंचकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया और मिष्ठान वितरित किया। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष वर्षा रैकवार ने सिविल वार्ड 2 के आंगनबाड़ी केंद्र, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष वर्षा रैकवार ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समाज की आधारभूत सेवा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा के साथ महिलाओं एवं परिवारों के बीच भी

जागरूकता का कार्य करती हैं। आंगन मिलन अभियान के माध्यम से महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कर उनके कार्यों को सम्मान देने और आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं को समझने का प्रयास कर रहा है। अभियान के अंतर्गत सरस्वती उड़के ने सिविल वार्ड-2, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मालती असाठी जिला सह कार्यालय मंत्री कुसुम खरे ने सिविल वार्ड-4, उमा लक्ष्मी सेन एवं सुनीता सेन ने केंद्र क्रमांक 4, एकता चौबे एवं यशोदा कटारया ने केंद्र क्रमांक 5, प्रतिभा सेनी एवं अंशा पटेल ने केंद्र क्रमांक 6, रेनू रजक ने केंद्र क्रमांक 91, राधा सोनी ने केंद्र क्रमांक 48, गायत्री वंशवर्ती ने केंद्र क्रमांक 55 तथा शैलजा हजारी, नीतू दुबे एवं विनीता जडिया ने विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया।महिला मोर्चा पदाधिकारियों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद कर केंद्रों की व्यवस्थाओं एवं बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। अभियान के माध्यम से महिला मोर्चा द्वारा सेवा, सम्मान और जनसंपर्क का संदेश दिया जा रहा है।



पनागर से जबलपुर, भोपाल और दिल्ली तक लोकतांत्रिक आंदोलन की रणनीति पर हुआ मंथन

पनागर। पनागर के सामुदायिक भवन, बम्हनोदा मार्ग में रविवार को सर्वर्ण समाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। दोपहर 3 बजे आयोजित इस बैठक में यूजीसी से संबंधित प्रस्तावित नियमों, ईडब्ल्यूएस प्रावधानों तथा सामान्य वर्ग से जुड़े नागरिकों द्वारा भेदभावपूर्ण माने जा रहे प्रावधानों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आगामी दिनों में जनजागरण अभियान चलाने और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को शासन एवं संबंधित संस्थाओं तक पहुंचाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया।बैठक में ब्राह्मण, कायस्थ, जैन, राजपूत, सिंधी सहित विभिन्न समाजों के नागरिकों ने सहभागिता की। करणी सेना के जबलपुर जिला अध्यक्ष सनी सिंह गौर सहित संगठन के प्रदाीनों में चायना का माल अधिक दिखाई दे रहा हैं शिल्प कला का अस्तित्व अब खतरे में दिखाई पड़ रहा है स्थिति इतनी दयनीय हो गई है कि कला के कद्रदान तो बहुत हैं लेकिन अब सेक पुरकारो को शासन द्वारा किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद न मिलने से शिल्पकला अब धीरे-धीरे लिप्त होती जा रही है यहां पर गिने चुने शिल्पकार ही बचे हैं और आर्थिक सहयोग न मिलने के कारण शिल्प कला पर संकट की छाया बनी हुई है। वैसे भेड़ाघाट का नाम लेते ही संगमरमर की चट्टानों की याद ताजा हो जाती है अब यहां शिल्पकारों की स्थिति बद से बदतर हो गई है केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के उपक्रमों में शिल्प कला को प्रोत्साहन देने के लिए प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं चुनाव के समय नेताओं को भेड़ाघाट की याद आती है नेताओं को सिर्फ अपनी राजनीतिक रोटी सेकने से मतलब रहता है ।

यूजीसी रोल बैक की मांग को लेकर जनजागरण पर जोर

बैठक में वक्ताओं ने यूजीसी से संबंधित नियमों को लेकर ‘यूजीसी रोलबैक’ की मांग उठाते हुए कहा कि इस विषय को व्यापक

सर्वर्ण समाज की बैठक में यूजीसी संबंधी नियमों को लेकर जताई चिंता



स्तर पर नागरिकों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। इसके लिए पनागर नगर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी जनसंपर्क एवं जनजागरण अभियान चलाने पर चर्चा हुई।वक्ताओं ने कहा कि किसी भी नियम अथवा प्रावधान को लेकर नागरिकों को अपनी बात रखने का संवैधानिक अधिकार है। इसी उद्देश्य से आगामी समय में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक माध्यमों से शासन और संबंधित संस्थाओं के समक्ष अपनी मांग रखी जाएगी।

जबलपुर से भोपाल तक आंदोलन को विस्तार देने पर चर्चा

बैठक में आंदोलन को केवल पनागर तक सीमित न रखते हुए जिला स्तर पर व्यापक स्वरूप देने की रणनीति पर भी चर्चा उठाते हुए कहा कि इस विषय को व्यापक

स्थानीय स्तर पर जनजागरण किया जाएगा और इसके बाद जबलपुर जिले में व्यापक अभियान चलाने की दिशा में कदम बढ़ाया जाएगा।बैठक में यह भी कहा गया कि यदि आवश्यकता महसूस हुई तो लोकतांत्रिक माध्यमों से आंदोलन को जबलपुर से भोपाल और आगे दिल्ली के जंतर-मंतर तक ले जाने पर भी विचार किया जाएगा। हालांकि आगामी कार्यक्रमों की अंतिम तिथि, स्थान एवं स्वरूप तय करने के लिए आगे बैठक आयोजित करने की बात कही गई।

राजनीतिक दल से अलग रहकर आंदोलन का दावा

बैठक में उपस्थित लोगों ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित अभियान को किसी राजनीतिक दल के समर्थन या विरोध के रूप में नहीं, बल्कि नागरिकों की मांगों को

सनातन धर्मावलम्बियों की आस्था है गौमाता : शंकराचार्य



जबलपुर। जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द महाराज के जबलपुर आगमन पर जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन, अधिवक्ता सम्पूर्ण तिवारी, डॉ.अभिजात त्रिपाठी, आचार्य आशुतोष दीक्षित, राजेश दुबे, अँकार दुबे, एड. अक्षत तिवारी, आदित्य उपाध्याय, तनिष्क त्रिपाठी, प्रशांत गुप्ता, विनित यादव, आशु रजक, मनोज सेन आदि ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान महाराज जी ने कहा की गौमाता को राष्ट्र माता के रुप पूजते हैं सनातन धर्मावलम्बियों के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, आर्थिक शक्ति का पूज हैं गौमाता इनके।सभी के एकजुटता के साथ सार्थक प्रयास आज की आवश्यकता है। वर्तमान में आ रही समस्यायों को मुखरता के साथ उल्लेखित किया ।



विरांत विद्या श्राविका संस्कार शिविर में सुनीता जैन ने छहढाला में पाया प्रथम स्थान

जबलपुर। धर्मसाधना के महापर्व दशलक्षण के पावन प्रसंग पर आयोजित विरांत विद्या श्राविका संस्कार शिविर में 65 वर्षीय श्रीमती सुनीता जैन, धर्मपत्नी जयकुमार जैन कोटबाले, ने छहढाला विषय में प्रथम स्थान प्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाया। उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर का आयोजन 16 से 25 सितंबर 2026 तक श्री विद्यासागर सभा भवन (लाखा भवन), जबलपुर में किया गया। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज एवं अध्यात्म विद्या शिरोमणि आचार्य श्री 108 समयसागर जी महामुनिराज के आशीर्वाद तथा आर्यिकारत्न श्री 105 गुरुमति माताजी एवं आर्यिका श्री 105 दुर्हमति माताजी के संसघ मंगल सान्निध्य में आयोजित इस शिविर में धर्म-आराधना, साधना एवं भक्ति की त्रिवेणी के साथ विभिन्न धार्मिक विषयों का अध्ययन कराया गया। 65 वर्ष की आयु में श्रीमती सुनीता जैन की यह उपलब्धि धार्मिक अध्ययन, स्वाध्याय और लगन का प्रेरणादायी उदाहरण है। उनकी सफलता पर परिजनों एवं समाजजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।



ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मालवीय चौक पर हुआ प्रदर्शन

जबलपुर। संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा तथा निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर संयुक्त संघर्ष समिति ने मालवीय चौक पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर के माध्यम से चार सूत्रीय झापन किया। झापन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच, SIR एवं मतदाता सूची से गलत तरीके से हटाए गए पात्र मतदाताओं के नाम तत्काल जोड़ने तथा जांच में दोष प्रमाणित होने पर ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी की मांग की गई।प्रदर्शन में सुबोध रिछारिया, रामरतन यादव, रजनीश दुबे, घनश्याम यादव, राधेश्याम अग्रवाल, राजेश सोनकर, डॉ. बसंत अग्रवाल, नोखेवाल प्रजापति, सरमन रजक, एड. अमरदीप सिंह सगु, सिद्धांत जैन, अशोक रावत, अमित पांडे, मारा हनुमाडे, इंद्र कुमार कुलसे, गया प्रसाद कुशवाहा, अजय यादव, जितेंद्र यादव, सोमवार कोल राकेश श्रीवास्, धर्मेद कुशवाहा, सीताराम पटेल, अमृतलाल नागर, सुशौर शर्मा भगवान दास पटेल, प्रशांत चौरसिया, राजेंद्र गुप्ता, मनोहर लाल जाटव, देवेंद्र यादव डॉ. आर. पटेल, देवकरण हल्दकार, सत्येंद्र नेमा, अरुण पवार, गुग्गा सेन, बालमुकुंद यादव, घनश्याम चक्रवर्ती, इमुरे नोबिया, मुरारी चक्रवर्ती, रमेश रजक, रुचिरा गुप्ता, सुंदर बाबा, सुजीत झरिया, जगदीश माली, विनोद विश्वकर्मा, विष्णु मलिक, नीलचंद यादव, बबलू कुशराम, मदन शर्मा, अमुराण सिंह, हारुन्ग पहलवान, अजय द्विवेदी, इफ्फान उल हक, मनोहर जाटव, मेहेंदी हसन, गुलाम खाबिर, रिंकू कुशवाहा एवं राजेश भावरे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्वजों के प्रति श्रद्धा का महापर्व पितृमोक्ष प्रारंभ अमावस्या तक चलेगा तर्पण

जबलपुर। श्रद्धा और आदर भाव से हो रहा पितरों का स्मरण धार्मिक ग्रंथों के अनुसार आश्विन कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से अमावस्या तक का समय श्राद्ध या महालया पक्ष माना जाता है। हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार इस अवधि के 15 दिन पितरों अर्थात् श्राद्ध कर्म के लिये नियत किए गए हैं। इसे पितृपक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृपक्ष में किए गए श्राद्ध कर्म से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है। ऐसा माना जाता है कि पितृपक्ष में पितर मृत्युलोक से धरती पर आते है। आश्विन माह की पूर्णिमा के साथ रविवार से पितृपक्ष प्रारंभ हो गया। जो 10 अक्टूबर शनिवार सर्वापितृ अमावस्या तक चलेंगे।

पितरों की आत्म शांति के लिये किया जाता है तर्पण

परिवार में जिस किसी की मृत्यु हो चुकी है उन्हें पितर कहा जाता है। पंडितों के अनुसार पितृपक्ष में मृत्युलोक से पितर पृथ्वी पर आते है और आशीर्वाद देते है। पितृपक्ष में पितरों की आत्म शांति के लिए उनकों तर्पण किया जाता है।

मेड़ाघाट क्षेत्र में चायना के आइटमों की भरमार

भेड़ाघाट। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट धुआंधार में भेड़ाघाट की बनी कलाकृतियां मूर्तियां अब काम ही दिखाई दे रही हैं अब देखने में आ रहा है की अधिकतर दुकानों में चायना का माल अधिक दिखाई दे रहा हैं शिल्प कला का अस्तित्व अब खतरे में दिखाई पड़ रहा है स्थिति इतनी दयनीय हो गई है कि कला के कद्रदान तो बहुत हैं लेकिन अब सेक पुरकारो को शासन द्वारा किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद न मिलने से शिल्पकला अब धीरे-धीरे लिप्त होती जा रही है यहां पर गिने चुने शिल्पकार ही बचे हैं और आर्थिक सहयोग न मिलने के कारण शिल्प कला पर संकट की छाया बनी हुई है। वैसे भेड़ाघाट का नाम लेते ही संगमरमर की चट्टानों की याद ताजा हो जाती है अब यहां शिल्पकारों की स्थिति बद से बदतर हो गई है केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के उपक्रमों में शिल्प कला को प्रोत्साहन देने के लिए प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं चुनाव के समय नेताओं को भेड़ाघाट की याद आती है नेताओं को सिर्फ अपनी राजनीतिक रोटी सेकने से मतलब रहता है ।

श्री किशन चंद खत्री- चौथा पुल नेपियर टाउन निवासी तिलहरी वाले श्री किशन चंद खत्री (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती कला बाई जाटव-सरकारी कुआं घमापुर निवासी श्री देवी प्रसाद जाटव की धर्मपत्नी श्रीमती कला बाई जाटव (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री सम्मत लाल- ब्यौहारबाग पांडे अस्पताल के पीछे निवासी श्री सम्मत लाल (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती लीला बाई अहिरवार-सिंधी कैप निवासी श्री शंकर लाल अहिरवार की धर्मपत्नी श्रीमती लीला बाई अहिरवार (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्रीमती लीला मोगरे- साउथ सिविल लाइन निवासी श्री रामवरण मोगरे की धर्मपत्नी श्रीमती लीला मोगरे (81) का

निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। कृष्णा राव- गोरखपुर गुरुद्वारा के गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ। सामने निवासी कृष्णा राव (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्री राजकुमार बेन- भीम नगर पोलीपाथर निवासी श्री राजकुमार बेन (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री कमल रामचंद्रानी- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री कमल रामचंद्रानी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्रीमती शकुंतला सेन- कुदवारी अमखेरा निवासी श्री सुंदर लाल सेन की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला सेन (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती लक्ष्मी बाई- फूटाताल दुर्गा चौक निवासी श्री मनीराम दुर्गा की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्रीमती विभा झा- राइट टाउन निवासी श्री श्रवण शंकर झा की धर्मपत्नी श्रीमती विभा झा (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती सुशीला देवी- भरतीपुर निवासी श्री राजकुमार धुसिया की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री प्रवीण मल्होत्रा- मढ़ाताल तीन पत्ती चौक के निकट निवासी श्री प्रवीण मल्होत्रा (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ। श्री सुमन सिंह बघेल- लालमाटी चांदमारी ओम कला मंदिर रोड निवासी श्री सुमन सिंह बघेल (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री मुन्ना लाल यादव- रामपुर यादव मोहल्ला निवासी श्री मुन्ना लाल यादव (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती शांति शर्मा- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री प्रेम लाल शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती शांति शर्मा (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि बिजो,श्लोक/उदाहन, पगड़ी रम, पुण्यतिथि

संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अपन कृष्ण 100/-	विजय साहज:- 100/-	रंजीत रंजीत 300/-
पति कृष्ण रंजीत 100/-	विजय साहज:- 100/-	रंजीत रंजीत 300/-
	विजय साहज:- 100/-	रंजीत रंजीत 300/-

सम्पर्क करें किताबन विभाग:- 9303108294, 9407362160



गया। पौधारोपण कार्यक्रम में न्यायालय के सभी माननीय न्यायाधीशों के साथ एसडीएम सिहोरा,एसडीओपी सिहोरा एवं अधिकता संघ के अध्यक्ष रविदीप सिंह बैस सहित अन्य उपस्थित अतिथियों ने भी अपने-अपने नाम से एक-एक वृक्ष लगाया।

भर्ती प्रक्रिया याचिका के अंतिम निर्णयाधीन होगी

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जस्टिस विशाल धगत की सिंगल बेंच ने समूह-3 के उपयंत्री, मानचित्रकार, प्रयोगशाला तकनीशियन एवं अन्य समकक्ष पदों की सीधी भर्ती को लेकर महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कर्मचारी चयन बोर्ड की भर्ती प्रक्रिया हाईकोर्ट में लंबित याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी। मामला संविदा पर कार्यरत सब इंजीनियरों को सीधी भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण और आयुसीमा में छूट का लाभ नहीं दिए जाने से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं मनोज कुमार हल्दकार और प्रशांत कुररिया की ओर से अधिवक्ता अनुराग दुबे ने कोर्ट में तर्क दिया कि लागू प्रावधानों के तहत संविदा कर्मचारियों को आरक्षण के साथ-साथ सेवा अवधि के अनुरूप आयुसीमा में छूट का लाभ मिलना चाहिए।सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने ओवरएज हो चुके याचिकाकर्ता प्रशांत कुररिया को फिलहाल भर्ती परीक्षा में शामिल होने की अनुमति भी दी। हालांकि यह अनुमति याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी। महत्वपूर्ण यह है कि हाईकोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया पर फिलहाल रोक नहीं लगाई है, बल्कि पूरी प्रक्रिया को अंतिम फैसले के अधीन कर दिया है। कोर्ट ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

ओर से अधिवक्ता अनुराग दुबे ने कोर्ट में तर्क दिया कि लागू प्रावधानों के तहत संविदा कर्मचारियों को आरक्षण के साथ-साथ सेवा अवधि के अनुरूप आयुसीमा में छूट का लाभ मिलना चाहिए।सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने ओवरएज हो चुके याचिकाकर्ता प्रशांत कुररिया को फिलहाल भर्ती परीक्षा में शामिल होने की अनुमति भी दी।

समूह-3 उपयंत्री भर्ती पर हाईकोर्ट का अहम अंतरिम आदेश

हालांकि यह अनुमति याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी। महत्वपूर्ण यह है कि हाईकोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया पर फिलहाल रोक नहीं लगाई है, बल्कि पूरी प्रक्रिया को अंतिम फैसले के अधीन कर दिया है। कोर्ट ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

गौमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग, उत्कृष्ट किसानों एवं नीट में सफल विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

पाटन। नगर के ताव्या कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में गौ आधारित प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने एवं जनजागरण के उद्देश्य से जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व कृषि मंत्री डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए गौ आधारित प्राकृतिक खेती को भविष्य की आवश्यकता बताया। इस अवसर पर क्षेत्र के उत्कृष्ट किसान भाग्यों तथा नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले प्रतिभाजन विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया। डॉ. कुसमरिया ने कहा कि गाय हमारी संस्कृति, कृषि और जीवन-व्यवस्था की महत्वपूर्ण धरोहर है। भारत कृषि प्रधान देश है और यदि खेती को पुनः गौ आधारित प्राकृतिक पद्धति से जोड़ा जाए तो मिट्टी की उर्वरता, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य-तीनों को सुरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज प्राकृतिक जीवन-पद्धति के कारण स्वस्थ, सुदृढ़ और बलिष्ठ हुआ करते थे। यदि आज भी हम



अपनी कृषि और दैनिक जीवन में प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग बढ़ाएं तो आने वाली पीढ़ियों को बेहतर और स्वस्थ भविष्य दे सकते हैं।उन्होंने कहा कि गौमाता के दूध, गोबर, गोमूत्र सहित अन्य उत्पादों का उपयोग दैनिक आवश्यकताओं में बढ़ाया जाए, तभी गोवंश संरक्षण को वास्तविक आधार मिलेगा और घर-घर गाय पालने की परंपरा पुनः जीवित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि जिस दिन गांयों का दर-दर भटकना बंद होगा, उस दिन मनुष्य का अस्तित्व को दर-दर भटकना भी कम होगा। डॉ. कुसमरिया ने बताया कि उन्होंने सरकार से ऐसी तजवीज विकसित करने का सुझाव दिया है, जिससे

गौ आधारित प्राकृतिक खेती से ही सुरक्षित होगा भविष्य : डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया

गोबर से निर्मित गैस को सिलेंडर में संग्रहित कर गांवों में सरसा ईंधन उपलब्ध कराया जा सके। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे और वैकल्पिक उर्जा के स्रोतों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने गौमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित किए जाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।इस अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ किसान भाई राकेश सिंह, रामविनय करसौरिया हेमंत पत्तौरी रवि नारायण पटेल , सोनेलाल पटेल के साथ ही इस वर्ष विद्यालय से नीट में सफल हुए विद्यार्थी कृष्णबहादुर सिंह, नीतू पटेल, श्रष्टि लोधी, कल्पना ठाकुर का सम्मान किया गया ज्ञात हो की इन बच्चों का सरकारी मेडिकल

कॉलेज में दाखिला हुआ है । कार्यक्रम में नलिनकांत वाजपेयी, नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह, कृष्ण शेखर सिंह, राजेश दुबे, अनुरुद्ध पट्टेरिया, सूर्य प्रकाश गोस्वामी प्राचार्य चरण सिंह, देव कुमार यादव, दादूभाई यादव, सोनेलाल पटेल, महेश पटेल, राहुल शर्मा, घनश्याम मिश्रा, संघ चालक यादवींद सिंह, नंदकिशोर पटेल, मोहन जी, उत्तम सिंह ठाकुर, अजय पटेल, संजय सिंह, केदार मोतम, भूरे बबले, दिलीप श्रीवास, विवेक बबले सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

CHANGE OF NAME
I, ABHA DEVI Mother of 15718988A Rank LOC/NK BINIT KUMAR, presently Residing at- VILL-GARH BARUARI, PO. GARH BARUARI, TEH-SUBAUL, DIST- SUBAUL, STATE-BIHAR PIN CODE-852110, I have changed of my name from ABHA DEVI (name as per my Son army service records) to ABHA KUMARI (name as per my AADHAR CARD) (vide Affidavit dated in 24/09/2026 (format) before SUBHASHISH CHATTERJEE Public notary, JABALPUR.M.P.
CORRECT NAME
ABHA KUMARI
INCORRECT NAME
ABHA DEVI